श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 2 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 अप्रेल 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

पुण्य-सम्राट के जयकारों से गुरुभक्तों ने गुँजाया माण्डवपुर

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. जैनाचार्य, विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि 'पुण्य सप्तमी' निमित्त पुण्योत्सव का आयोजन दिनांक 7 अप्रेल 2018 को गुरुदेवश्री के समाधि स्थल श्री माण्डवपुर तीर्थ में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के साथ ही देश एवं विदेश में भी विविध धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाई गई।

पुण्योत्सव कार्यक्रम में एक दिन ही पूर्व देश के कोने-कोने से गुरुभक्त माण्डवपुर तीर्थ पहुँच गये। पुण्योत्सव

आयोजन हेतु माण्डवपुर तीर्थ परिसर को सुसज्जित किया गया। मनमोहक रंग-बिरंगी रोशनी से सम्पूर्ण तीर्थ परिसर को सजाया गया। पुण्य सप्तमी के दिन प्रातः गुरुभक्त सज-धज कर श्री चन्द्रलोक जैन तीर्थ पहुँचे जहाँ से मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा सहित हजारों गुरुभक्तों के साथ भव्य शोभायात्रा का शुभारम्भ हुआ। शोभायात्रा में रथ में पुण्य-सम्राट गुरुदेव का चित्र लिए युवा गुरुदेव के जयकारों से पूरे वातावरण को गुँजायमान कर रहे थे, वहीं महिलाएँ मंगल गीतों की स्वर लहरियाँ बिखेर रही थीं। बैण्ड,-बाजे, ढोल की मधुर थाप पर गुरुभक्त नृत्य कर रहे थे। शोभायात्रा चन्द्रलोक तीर्थ से प्रारम्भ होकर श्री माण्डवपुर तीर्थ में पुण्य-सम्राट के समाधि स्थल पर गुरुवन्दना के साथ पूर्ण हुई।

(शेष पृष्ठ चार पर)

पुण्य-सम्राट की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पालीताणा में पुण्य-सम्राट बिराजे

पालीताणा (स. सं.),

श्री सिद्धक्षेत्र पालीताणा की पुण्य धरा पर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रेरणा से स्थापित यतीन्द्र भवन में प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पर्व पर गच्छाधिपतिश्री एवं चतुर्विध श्रीसंघ सहित सामूहिक गिरिराज की यात्रा की गई। प्रातः 10 बजे श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। पुण्य तिथि निमित्त अनेकों गुरु भगवन्तों व गुरुभक्तों ने आयम्बिल तपश्चर्या की।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य स्मृति में पालीताणा तीर्थ में त्रिदिवसीय श्रमण-श्रमणि भगवन्तों के वैयावच्च भक्ति का लाभ 5 से 7 अप्रेल 18 तक पेपराल निवासी धरू सरूपचन्द देवचन्दभाई परिवार, राणापुर (म. प्र.) निवासी हीरालाल चम्पालालजी दसेड़ा परिवार (वर्तमान में पालीताणा) एवं सारंगी (म.प्रश्र) निवासी श्रीमती सुगन्धीदेवी मेघराजजी तलेसरा परिवार ने लिया।

दोपहर 2 बजे गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें गुरु भगवन्तों एवं अनेक गुरुभक्तों ने अपने भाव सुमन प्रकट करते हुए पुण्य-सम्राट गुरुदेव को आपनी भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गुणानुवाद सभा में साध्वीश्री रुचिदर्शनाश्रीजी म. सा. द्वारा पुण्य-सम्राट के जीवन पर आधारित पाँच भाषाओं में प्रणीत पुस्तक 'जयन्त जीवन झलक' का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर यतीन्द्र भवन स्थित गुरु मन्दिर में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा बिराजमान की गई जिसका लाभ नैनावा निवासी वेदमुथा भूराजी लालाजी परिवार ने लिया। सायं पुण्य-सम्राट गुरुदेश्री की भव्यातिभव्य आरती की गई।

दिनांक 18 अप्रेल 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की भावनानुसार हजारों वर्षीतप के तपस्वीरत्नों का सामूहिक पारणोत्सव होगा। इस अद्वितीय पारणोत्सव में आचार्यद्वय के साथ तीर्थ भूमि पर बिराजित अनेक गुरुभगवन्त अपनी पावन निश्रा प्रदान करेंगे। 22-4-2018 को पालीताणा तीर्थ भूमि पर पट्टधरद्वय की पावन निश्रा में सामूहिक दीक्षा महोत्सव आत्मोद्धार आयोजित होगा जिसमें मुमुक्षुओं को भागवती प्रव्रज्या प्रदान की जायेगी।

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश द्वारा प्रथम बार श्री गिरनार तीर्थ की स्पर्शना

सोरठ देशमां संचर्यो, न चढ्यो गढ़ गिरनार।
शत्रुंजय नदी नाह्यो नहीं, एहले गयो अवतार॥

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघ शिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. पालीताणा में चातुर्मास उद्घोषणा के पश्चात् अपनी बरसों की साध पूर्ण करने हेतु श्री गिरनार तीर्थ की स्पर्शना करने पधारे। प्रथम बार गिरनार तीर्थ की पावन भूमि की स्पर्शना करते ही आचार्यश्री भावविभोर हो गये। दादा श्री नेमिनाथ प्रभु के दरबार में अपनी भाववन्दना के साथ दर्शन कर कृत्य-कृत्य हो उठे। गिरिवर पर बिराजित प्रभु के प्रथम बार दर्शन-वन्दन कर आचार्यश्री आनन्दमग्न हो गये। क्योंकि पूर्वाचार्यों के मुख से उन्होंने सुन रखा था कि इस तीर्थ की स्पर्शना बिना यह नर अवतार बेकार है।

श्री गिरनार राजेन्द्र-शान्ति सेवा ट्रस्ट ने गिरनार पदार्पण पर आचार्यदेवेश श्री का अभिनन्दन करते हुए स्वागत किया। गिरनार तीर्थ पर बिराजित आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा से एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. का मधुर मिलन हुआ। दोनों आचार्यों ने एक-दूसरे की कुशलता पूछते हुए धर्म, समाज एवं एकता के साथ अनेक विषयों पर सारगर्भित चर्चा की। यहाँ से विहार कर आचार्यश्री पालीताणा तीर्थराज पधारेंगे। जहाँ 18 अप्रेल 2018 को 1000 से अधिक सामूहिक वर्षीतप के तपस्वियों के पारणोत्सव एवं 22 अप्रेल 2018 को आयोजित आत्मोद्धार सामूहिक दीक्षा महोत्सव में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

पुण्य-सम्राट गुरुदेव की पुण्य सप्तमी पर देश एवं विदेश में आयोजनों की लगी झड़ी

माण्डवपुर (स. सं.),

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि दिनांक 7-4-2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से देश के अनेक नगरों एवं विदेश में गुरुभक्तों द्वारा अनेक आयोजन किए गए।

सियाणा नगर में पुण्योत्सव आयोजन

सियाणा,

पुण्योत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रातः गायों को चारा डाला गया व दोपहर में आयम्बिल व आचार्यश्री की अष्टप्रकारी पूजा श्री श्राविका संघ, श्री सुविधि राजेन्द्र सातम ग्रुप, श्रीमती रंजनादेवी मदनलालजी, हंसराजजी सेठिया सियाणा ने पढ़ाई। दोपहर 2 बजे गुरुभक्तों की ओर से सामूहिक सामायिक एवं जीवदया कार्यक्रम श्री सुविधि राजेन्द्र सातम ग्रुप द्वारा श्री ओसवालों की धर्मशाला में किया गया।

रतलाम नगर में परिषद् द्वारा पुण्योत्सव आयोजन

रतलाम,

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् शाखा रतलाम द्वारा पुण्य सप्तमी के उपलक्ष्य दो दिवसीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 7-8 अप्रेल को किया गया। जिसमें 7 अप्रेल 2018 को प्रातः 9 से 10 बजे तक जीवदया कार्यक्रम, 10 बजे सामूहिक नमस्कार महामन्त्र के जाप एवं 11.30 बजे आयम्बिल तप का आयोजन श्री नीमवाला उपाश्रय में किया गया।

दिनांक 8 अप्रेल 2018 को प्रातः 6.30 बजे भक्तामर पाठ, 8 बजे सामूहिक स्नात्र पूजन श्री जयन्तसेन धाम पर किया गया। पधारे हुए गुरुभक्तों के लिए नवकारसी की व्यवस्था रखी गई।

महिला परिषद् ने पुण्य सप्तमी मनाई

कोयम्बटूर,

अ. भा. श्री राजेन्द्रजैन महिला परिषद् द्वारा पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में महिला परिषद् की अध्यक्षा श्रीमती मंजू सिंघवी कहा कि आचार्यश्री ने अपने साधु जीवन में करीब दो लाख किलोमीटर की पदयात्रा कर लोगों को भगवान महावीर का सन्देश जीओ और जीने दो देने के साथ ही मद्यपान छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए परिषद् द्वारा एक श्रावक जिसको मद्यपान की लत लगी हुई है उसे रिहेबिलिटेशन सेन्टर में भर्ती कराया गया और उसके एक महीने का खर्च लगभग 11 हजार रुपये जमा कराए गए। इस अवसर पर श्रीमती पद्मा नाहर, श्रीमती नीतू कवाड़, श्रीमती कोमल पारेख आदि उपस्थित थे।

एक शाम पुण्य-सम्राट के नाम

इन्दौर,

पुण्य सप्तमी के उपलक्ष्य में सौ. बृ. त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर श्रीसंघ, जूनी कसेरा बाखल, श्री राजराजेन्द्र-जयन्त जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट, गुमास्ता नगर, श्री पार्श्वनाथ सोसायटी जैन श्रीसंघ, यशवन्त निवास रोड़ के संयुक्त निवेदन पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक-महिला एवं बहू परिषद् द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिनांक 6-4-2018 को रात्रि 8 बजे पार्श्वनाथ सोसायटी में भक्ति-संध्या आयोजित की गई जिसमें लक्की ड्रॉ निकाला गया। दिनांक 7-4-2018 को प्रातः 8.30 बजे राजेन्द्र आराधना भवन में सामूहिक सामायिक एवं गुणानुवाद सभा आयोजित हुई। सभा के पश्चात् नवकारसी का लाभ श्री रमेशचन्द्रजी राहूलजी, प्रणयजी श्रीश्रीमाल, बड़नगर वालों ने लिया। दिनांक 8-4-2018 को सिद्धार्थ महिला ग्रुप द्वारा निराश्रितों को भोजन वितरण किया गया।

सूरत में भक्ति-भावना के साथ भव्य आरती

पुण्य-सम्राट की प्रथम पुण्य तिथि निमित्त सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ सूरत द्वारा रामपावन भूमि के प्रांगण में भव्य भक्ति-भावना का आयोजन किया गया। जिसमें अ. भा. तरुण परिषद् द्वारा पुण्य-सम्राट की पुण्य आरती का आयोजन किया गया जिसमें श्रीसंघ तथा परिषद् के प्रमुखों ने लाभ लिया।

राजमहेन्द्री में पुण्य तिथि में विविध कार्यक्रम सम्पन्न

राजमहेन्द्री,

पुण्य-सम्राट के गुरुभक्तों द्वारा श्री वासुपूज्य जिनालय में भक्तामर-पाठ, गुरु गुण इक्कीसा, सामूहिक सामायिक, सामूहिक आयम्बिल एवं दोपहर को श्री सुमतिनाथ जैन संगीत मण्डल द्वारा श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। इसी कड़ी में गरीबों के लिए सुबह का नास्ता, दोपहर का भोजन (अन्न दानं) हॉस्पीटल, अनाथालय, वृद्धाश्रम में फल वितरण एवं मूक पशुओं के लिए गौशाला में घास वितरण आदि कार्यक्रम आयोजित किए गये।

सेवा दिवस के रूप में पुण्य सप्तमी मनाई

नागदा,

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्यतिथि सेवा दिवस के रूप में विविध धार्मिक एवं जनकल्याणकारी प्रकल्पों के साथ मनाई गई। पुण्यतिथि दिवस को प्रातः 6 बजे श्री चन्द्रप्रभुजी मन्दिर में भक्तामर-पाठ एवं गुरु गुण इकतीसा किया गया जिसमें एक गुरुभक्त द्वारा प्रभावना वितरीत की गई। प्रातः 9 बजे गोपाल गौशाला में मूक पशुओं का स्वामीवात्सल्य किया गया जिसका लाभ श्री नवरत्न चातुर्मास समिति 2017 हस्ते श्री भैरूलाल पारसमल मेवानगर ने लिया। प्रातः 10 बजे सिविल हॉस्पीटल में बेबीकिट का वितरण किया जिसका लाभ श्री दिलीपकुमारजी मनोजजी नान्देचा ओरा ने लिया। प्रातः 11.30 बजे अन्नक्षेत्र में दीन दुखियों का भोजन जिसका लाभ श्री समरथमलजी कोलन ने लिया। दोपहर 1 बजे श्री शान्तिनाथ जिनालय में श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजा श्री महिला परिषद्, श्री अचिरा बहू परिषद् एवं श्री नवकार मण्डल द्वारा पढ़ाई गई जिसका लाभ श्री बाबूलालजी, ब्रजेशकुमारजी, आकाशजी बोहरा परिवार ने लिया। रात्रि 8 बजे श्री शान्तिनाथ जिनालय में भव्य आरती की गई। आरती के पश्चात् प्रभावना परिषद् परिवार नागदा की ओर से वितरीत की गई।

परिषद् के केन्द्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार समाज के 4 जरूरतमन्द परिवार को राशन सामग्री प्रदान की गई। श्री ब्रजेशकुमार बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी कार्यक्रम श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्रीसंघ, नागदा एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, नागदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए एवं पुण्य-सम्राट के गुरुभक्तों ने उत्साह के साथ सभी कार्यक्रमों में भाग लेकर सफल बनाया।

पुण्य-सम्राट की पुण्य सप्तमी मनाई

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् एवं श्रीसंघ महिदपुर रोड़ द्वारा गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। महिला परिषद् द्वारा पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के सामूहिक जाप किया गया जिसमें अनेक गुरुभक्तों ने भाग लिया तथा तपस्या की कड़ी में 11 आयम्बिल कर पू. गुरुदेवश्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुण्य-सम्राट की प्रथम पुण्य सप्तमी श्रद्धा व भक्ति से मनाई

खाचरौद नगर में प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी तिथि बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाई गई। प्रातः 8 बजे श्री गौड़ी पार्श्वनाथ मन्दिर में परिषद् परिवार द्वारा स्नात्र पूजा की गई। इसके पश्चात् श्री राज राजेन्द्र विद्या मन्दिर एवं श्री राज राजेन्द्र जयन्तसेन विद्यापीठ में गुरु गुणानुवाद सभाओं का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे गोपाल गौशाला में गायों को हरा चारा, गुड़, खल खिलाई गई। प्रातः 11 बजे शासकीय अनिवार्य प्राथमिक शाला क्र. 1 में छात्र-छात्राओं को परिषद् परिवार द्वारा भोजन करवाया गया।

दोपहर 12.39 बजे श्री राजेन्द्र पौषधशाला में श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजन स्थानीय महिला एवं बहू परिषद् द्वारा पढ़ाई गई तथा यहीं पर सामूहिक संध्या प्रतिक्रमण के पश्चात् पुण्य-सम्राट की आरती की गई। यहाँ होने वाले दोनों कार्यक्रमों में लक्की ड्रॉ द्वारा भाग्यशालियों को पारितोषिक प्रदान किया गया।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

जिनशासन की प्रभावना के कार्यक्रमों हेतु मुनिराजश्री का विहार

भाण्डवपुर तीर्थ, (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रथम वार्षिक पुण्य सप्तमी पर्व उत्साह व उमंग के साथ मनाने के पश्चात् पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुविनीत शिष्य मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा का जिनशासन की प्रभावना के कार्यों हेतु विहारक्रम निम्नांकित रहेगा।

दिनांक 9-10-11 अप्रेल 2018 रेवतड़ा नगर में श्रीमती पड्डूबाई मोड़ाजी वेदमुथा के स्वर्ण सीढ़ी समारोह तथा सतीमाता चन्द्रादेवी वेदमुथा मेला में आयोजित अनेक कार्यक्रमों में अपनी निश्रा प्रदान की

दिनांक 12-13-14 अप्रेल 2018 को मेंगलवा नगर में कुमारी गुडिया श्री नरपतराजजी, उम्मेदमलजी, प्रतापजी कंकुचौपड़ा के दीक्षा निमित्त त्रिदिवसीय महोत्सव विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न हुआ।

दिनांक 14-15 अप्रेल 2018 को सुरणा नगर में शा. महेन्द्रकुमार मानमलजी वोरा एवं श्रीमती के वर्षीतप पच्चक्खाण एवं श्री ऋषभकुमार ओबाणी का वर्षीदान का भव्य वरघोड़ा में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

दिनांक 15-16-17 अप्रेल 2018 को दांथाल नगर में मुमुक्षु पायलकुमारी प्रकाशचन्द्रजी, रणमलजी, हिमताजी श्रीश्रीमाल के दीक्षा निमित्त त्रिदिवसीय महोत्सव में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

दिनांक 18 अप्रेल 2018 को श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में वर्षीतप के 17 तपस्वियों का पारणोत्सव में निश्रा प्रदान करेंगे।

दिनांक 18-19-20 अप्रेल 2018 को चौराऊ नगर में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रतिमा की प्रतिष्ठा होगी।

दिनांक 23-24-25 अप्रेल 2018 को चौराऊ नगर में श्रीमती हंजादेवी केशरीमलजी गोवाणी, श्रीमती सुखीदेवी पुखराजजी गोवाणी के जीवित महोत्सव में अपनी निश्रा प्रदान करेंगे।

दिनांक 28-29 अप्रेल 2018 को बागरा नगर में श्री महावीरस्वामी जिनालय, श्री धनचन्द्रसूरि समाधि मन्दिर एवं श्री विद्याचन्द्रसूरि गुरु मन्दिर शिलान्यास कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करेंगे।

दिनांक 30 अप्रेल 2018 को सियाणा नगर में शा. इन्द्रमलजी, माणकचन्दजी कोठारी परिवार निर्मित आदर्श स्कूल का उद्घाटन मुनिराजश्री की पावन निश्रा में होगा।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) भाण्डवपुर तीर्थ की विज्ञप्ति के अनुसार मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ठाणा-3 का ग्रामानुग्राम विचरण करते हुए जिनशासन के कार्यों में अपनी निश्रा प्रदान कर दिनांक 4 मई 2018 को पदार्पण होगा।

गच्छाधिपतिश्री का आगमी 2018 का चातुर्मास मालवा के उज्जैन नगर में

पालीताणा, (स. सं.)

विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य एवं व्याख्यान-वाचस्पति गुरुदेव श्रीमद्विजय यतीन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का आगामी 2018 का चातुर्मास मालवा की धर्मनगरी उज्जैन (म. प्र.) में होगा।

विशेष सूचना

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की परम्परानुसार चातुर्मास उद्घोषणा पर्व दिनांक 31-3-2018 को गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. सहित अनेक श्रमण-श्रमणिवृन्द के चातुर्मासों की घोषणा अनेक श्रीसंघों एवं हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में यतीन्द्र भवन, पालीताणा में गच्छाधिपतिश्री द्वारा की गई। विस्तृत समाचार अगले अंक में। स. सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

पुण्य-सम्राट की पुण्य सप्तमी

मुम्बई, (स. सं.)

श्री हेमन्त संघवी ने बताया कि पुण्य-सम्राट की प्रथम वार्षिक पुण्यतिथि पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद्, साँचोर शाखा मुम्बई द्वारा भिक्षुओं को भोजन एवं जीवदया के क्षेत्र में चारा आदि वितरण किए गए।

पुण्य-सम्राट की प्रथम वार्षिक पुण्यतिथि पर महावीर मानव सेवा ग्रुप, मुम्बई ने धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम में गुरुदेव के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ, 12 नवकार मन्त्र के जाप के साथ हुआ। इस अवसर पर करण मेहता ने कहा कि गुरुदेव भारत के ही नहीं अपितु पूरे विश्व के गुरुदेव थे। विक्रम सुराणा ने कहा कि जब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती तब तक गुरु की आवश्यकता रहती है। कार्यक्रम के लाभार्थी शा. मुकेशभाई सेठिया एवं विक्रम सुराणा व सुरेशभाई सेठ साँचोर थे।

चैन्नई नगरी में हुआ पुण्य-सम्राट गुरुदेव का गुणानुवाद

चैन्नई (स. सं.),

चैन्नई महानगर में राष्ट्रसन्त पेपरास नन्दन आचार्यभगवन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में श्री राजेन्द्र भवन के सभागार में सत्यपुर (साँचोर) तीर्थोद्धारक पू. आचार्यश्री कनकप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न सरल स्वभावी पू. आचार्यदेवश्री कीर्तिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में गुणानुवाद सभा का आयोजन हुआ।

गुणानुवाद सभा में युवा प्रवचनकार मुनिश्री संयमप्रभविजयजी म. सा. ने ओजस्वी वाणी में श्री जयंतसेनसूरीश्वरजी म. सा. की सांसारिक पीढ़ी, गुरुदेव के 66 चातुर्मासों की सूचि व प्रभु वीर की पाट परम्परा कण्ठस्थ सुनाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। मुनिश्री ने कहा कि 16 वर्ष की आयु में संसार का त्याग करते हुए पूनमचन्द धरू मुनि जयन्तविजयजी बने। गुरुदेव ने शासन के अनेक कार्य किए जैसे कि 51 विविध क्षेत्र में महा सम्मेलन, 236 प्राण प्रतिष्ठा, 68 छःरि पालित संघ, 25 तीर्थधाम के प्रणेता, 21 उपधान तप, 8 चिकित्सालय, 4 नव्वाणु यात्रा, 8 विशाल ज्ञान भण्डार, 7 गौशालाएँ एवं 11 स्कूलों का निर्माण करवाकर जनकल्याण किया है।

गुरुदेव ने कभी किसी संघ, समाज, परिवार, नगर, गाँव में विवाद नहीं करवाया बल्कि वहाँ के विवादों को समाप्त कर एकता की स्थापना की। इसीलिए विजयवाड़ा श्रीसंघ ने गुरुदेव को 'संघ एकता के शिल्पी' उपाधि से अलंकृत किया। गुरुदेव आशुकवि एवं सद् साहित्य के प्रणेता थे। उन्होंने अनेक स्तवनों, सज्झाय व चिन्तन परक साहित्य की रचना की। गुरुदेव अनेक अवसरों पर अपने भक्तों को पीहर को सियाणा नगर और ससुराल के रूप में ढंढार पट्टी यानि रेवतड़ा, बागरा, बाकरा, सूरा, साँथू, सरत, सायला व मेंगलवा आदि को कहते थे। गुरुदेव ने सम्पूर्ण भारत में डेढ़ लाख कि.मी. से अधिक विहार कर जिनशासन के प्रभावना के अविस्मरणीय कार्य किए वह अनुकरणीय व अनुमोदनीय है।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य एवं राजेन्द्र भवन श्रीसंघ के पदाधिकारी व विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

राजनगर-खानपुर में पुण्योत्सव आयोजित

राजनगर-अहमदाबाद के खानपुर में विस्तुतिक संघ द्वारा अनेक कार्यक्रमों के साथ पुण्योत्सव आयोजित किया गया जिसमें प्रातः 6 बजे प्रभाती, 8.30 से 9.30 बजे तक पुरुष वर्ग द्वारा सामूहिक सामायिक, 10 बजे से 12 बजे तक श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा, दोपहर 2 से 4 बजे तक बहिनों द्वारा सामूहिक सामायिक की गई जिसमें गुरुभक्तों ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर गगन विहार और श्री नेमिनाथ जिनालय में भव्य अंगरचना की गई। रात्रि 9 से 10.30 बजे तक पुण्य-सम्राटश्री के जाप किए गए उसके पश्चात् दादा गुरुदेव तथा पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की आरती की गई।

जापान में पुण्य सप्तमी मनाई

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के अनन्य जापानी गुरुभक्तों ने जापान में प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि पर वहाँ के सभी जापानी भक्तों ने सामूहिक जाप किया एवं पुण्य-सम्राट की भव्य आरती कर अपनी गुरुभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

पुण्य-सम्राट के जयकारों से गुरुभक्तों ने गुँजाया माण्डवपुर

(शेष पृष्ठ 1 का)

प्रातः 10 बजे विशाल पाण्डाल में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। सभा का शुभारम्भ पुण्य-सम्राट गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने मंगलाचरण करते हुए कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेव ने अपना सम्पूर्ण जीवन जिनशासन की सेवा में अर्पण कर

प्रवचन प्रदान करते मुनिराज श्री आनन्दविजयजी म.सा.

सेवा, परोपकार, दया-धर्म की अमूतपूर्व चिरस्मरणीय प्रेरणा प्रदान कर जनकल्याण करते हुए स्वकल्याण किया है। संसार के कल्याण के लिए मानव में दया की भावना प्रस्फुटित होना आवश्यक है। बिना दया भाव के मानवजाति का विकास सम्भव नहीं होगा। मुनिराजश्री ने कहा कि जब तक मनुष्य के मन में दया, सेवा, परोपकार की भावना नहीं होगी तो इस संसार का कल्याण भी सम्भव नहीं है। प्रकृति ने अपने विकास के साथ पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और जीव-जन्तुओं में दया और प्रेम का भाव रखा । पशु भी प्रेम और दया की भाषा को समझते है। धर्म के मार्ग पर चलकर मनुष्य इस कलियुग में परिवार और समाज को सही दिशा प्रदान कर सकता है। दया ही हर धर्म का मूल है इसी मार्ग पर चलकर मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है।

गुणानुवाद सभा में श्री कान्तिलाल भण्डारी-राजगढ़, श्री प्रकाश हिराणी-बैंगलोर, परिषद् के राष्ट्रीयाध्यक्ष श्री रमेश धरूँ, श्री जयन्तीभाई संघवी-नैनावा, श्री चिराग भंसाली-रिंगणोद, श्री मनोहरलाल पौराणिक-कुक्षी, श्री शान्तिलाल रामाणी-नेल्लूर, कवि श्री कुलदीप 'प्रियदर्शी', श्रीमती पारसबेन जावरा एवं महिला परिषद् की राष्ट्रीय महामन्त्री श्रीमती पद्मा सेठ, राणापुर ने पुण्य-सम्राट गुरुदेव का भावविभोर होकर गुणगान करते हुए अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस प्रसंग पर पूर्व विधायक श्री रामलाल मेघवाल ने पधार कर दर्शन-वन्दन किया।

इस अवसर पर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरीश्वरजी के आशीर्वाद एवं मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. की प्रेरणा से राष्ट्रीय कवि एवं यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक के स. सम्पादक कुलदीप 'प्रियदर्शी' द्वारा पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के महाप्रयाण पर रचित गीत की विडियो 'प्रियदर्शी-गीतांजलि' का लोकार्पण शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा, सुराणा निवासी मिलियन ग्रुप परिवार द्वारा किया गया।

शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा मिलियन ग्रुप परिवार

इस अवसर पर श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ), माण्डवपुर तीर्थ द्वारा आयोजित पुण्य सप्तमी पर्व के सम्पूर्ण कार्यक्रमों के लाभार्थी शा. मेघराजजी आदाजी छत्रिया वोरा परिवार निवासी-सुराणा (राज.) मिलियन ग्रुप, विजयवाड़ा-मुम्बई-दिल्ली-हरिद्वार का बहुमान किया गया तथा दीक्षार्थी पायलकुमारी का बहुमान किया गया।

दोपहर 2 बजे श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा संगीत की मधुर स्वरलहरियों के साथ पढ़ाई गई तथा सायं 7 बजे पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की महाआरती एवं संगीतकार श्री विपिन पोरवाल द्वारा भव्य गुरु भक्ति की गई। इस पुनीत पावन अवसर पर देशभर से हजारों गुरुभक्त पधारे। श्री माण्डवपुर तीर्थ में आज ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भक्तों का विशाल मेला लगा हो। पुण्य सप्तमी कार्यक्रम में परिषद् कार्यकर्ताओं की सेवाएँ प्रदान की वह प्रशंसनीय है।

योगी-वाणी

नम्रता से वार्त्तालाप करना, प्रत्येक का सम्मान करना, धन्यवाद ज्ञापित करना और आवश्यक हो तो क्षमा भी माँग लेना, यह गुण जिस मनुष्य के पास है तो वह मनुष्य सबके समीप और सबके लिए खास है।

अहंकारी मनुष्य कभी भी किसी का प्रिय और हितैषी नहीं बन सकता है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित